थाकी मूरत मन में भावे ओ भेरुजी भजन लिरिक्स

वाला का ढावा पे बैठा,
भेरू खजूरिया वाला सा,
थाकी मूरत मन में भावे ओ भेरुजी,
थाकी मूरत मन में भावे ओ भेरुजी।bd।

भीलवाडा जिला मे बेठा,
गांव खजुरिया माई सा,
कोई बिगडिया काम बणावे ओ भेरुजी।bd।

मोटी मोटी बणी सराया,
देख्यां ही बण आवे सा,
ज्यां पे लाल ध्वजा फहरावे ओ भेरुजी।bd।

थावर ने इतवार जात्री,
दूर दूर सुं आवे सा,
कोई पैदल चलकर आवे ओ भेरुजी।bd।

निंबड़ला री छाया नीचे,
गणा रूपाला लागो सा,
कोई मनडा री आश पुरावे ओ भेरुजी।bd।

ढोल नगाड़ा नोपत बाजे,
थाका जागण माई सा,
कोई राती जगा लगा वे ओ भेरुजी।bd।

रूप रूपाला भेरुजी की,
महिमा गाय सुणावा सा,
कोई सुनिल महिमा बणाई ओ भेरूजी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

वाला का ढावा पे बैठा,
भेरू खजूरिया वाला सा,
थाकी मूरत मन में भावे ओ भेरुजी,
थाकी मूरत मन में भावे ओ भेरुजी।bd।

गायक – सुनील कुमावत।
9783225024

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com